

JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

अध्याय-4 | साँवले सपनों की याद | जाबिर हुसैन

Worksheet-1

बहुविकल्पी प्रश्न

- सालिम अली की काया कैसी थी?

(अ) पहलवानों जैसी (ब) कमज़ोर
(स) मज़बूत (द) सामान्य
- साँवले सपनों की याद पाठ में भारत के किस प्रधानमंत्री का उल्लेख है?

(अ) लाल बहादुर शास्त्री (ब) इन्दिरा गाँधी
(स) राजीव गांधी (द) चौधरी चरण सिंह
- सलीम अली को 'बर्ड वाचर' क्यों कहा जाता था?

(अ) दूरबीन से पक्षियों की जानकारी रखने के कारण (ब) भरतपुर पक्षी अभ्यारण बनाने के कारण
(स) पक्षियों से प्रेम के कारण (द) पक्षियों के विषय में जानकारी होने के कारण
- सालिम अली की तुलना किस लेखक से की गई है?

(अ) लार्ड ब्राउन (ब) जान कीट्स
(स) डी एच लॉरेंस (द) विलियम वर्ड्सवर्थ
- सालिम अली प्रकृति की दुनिया में टापू बनने की बजाय अथाह सागर बनकर उभरे थे।'- इस वाक्य में टापू बनने का क्या तात्पर्य है?

(अ) कम जानकारी रखना (ब) सीमित क्षेत्र
(स) उच्च श्रेणी (द) समाज में उच्च स्थान होना
- सालिम अली की आत्मकथा का नाम है—

(अ) फॉल ऑफ ए बर्ड (ब) फॉल ऑफ ए नीलकंठ
(स) फॉल ऑफ ए लव (द) फॉल ऑफ ए लव
- कोई अपने जिस्म की हरारत और दिल की धड़कन देकर भी उसे लौटाना चाहे तो वह पक्षी अपने सपनों के गीत दोबारा कैसे गा सकेगा ? 'साँवले सपनों की याद' पाठ में यह वाक्य किस व्यक्ति के लिए प्रयोग किया गया है ?

(अ) डी एच लॉरेंस (ब) सालिम अली
(स) लार्ड ब्राउन (द) जान कीट्स
- साँवले सपनों की याद पाठ में किस उपन्यासकार का उल्लेख हुआ है?

(अ) डी. एच. लॉरेंस (ब) शेक्सपीयर
(स) प्रेमचंद (द) जयशंकर प्रसाद

9. सालिम अली साइलेंट वैली की रक्षा के लिए किससे मिले थे?

(अ) तत्कालीन पर्यावरण मंत्री से

(ब) राज्यसरकार से

(स) प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गाँधी से

(द) 1 प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह से

10. जटिल प्राणियों के लिए सालिम अली हमेशा क्या बने रहेंगे?

(अ) गार्ड

(ब) मित्र

(स) पहली

(द) प्रेरणा

रिक्त स्थान :

11. साँवले सपनों की याद पाठ _____ शैली में लिखा गया है।

12. सालिम अली ने बचपन में गोरैया को _____ से घायल किया था।

सत्य / असत्य

13. लॉरेंस की पत्नी का नाम केरी था।

14. सालिम अली की मृत्यु ब्रेन ट्यूमर बीमारी से हुई थी।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. कृष्ण ने वृंदावन में कहाँ विश्राम किया था?

16. पक्षियों के सुराग में निकले हैं कथन का अर्थ है—

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. 'साँवले सपनों की याद' पाठ से आपको क्या शिक्षा मिलती है?

18. यमुना नदी का साँवला पानी कृष्ण से जुड़ी किन घटनाओं की याद दिला देता है?

निबंधात्मक प्रश्न

19. आशय स्पष्ट कीजिए-कोई अपने जिस्म की हरारत और दिल की धड़कन देकर भी उसे लौटाना चाहे तो वह पक्षी अपने सपनों के गीत दोबारा कैसे गा सकेगा !

20. साँवले सपनों की याद पाठ में लेखक ने सालिम अली के व्यक्तित्व का जो चित्र खींचा है उसे अपने शब्दों में लिखिए।

HOTS

21. 'सालिम अली, तुम लौटोगे ना!' लेखक ने ऐसा क्यों कहा है?

JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

अध्याय-4 | साँवले सपनों की याद | जाबिर हुसैन

Worksheet-1 उत्तरमाला

- (ब) सालिम अली कमज़ोर काया वाले थे।
- (द) 'साँवले सपनों की याद' पाठ में चौधरी चरण सिंह का उल्लेख है। ये उस समय भारत के प्रधानमंत्री थे।
- (स) पक्षियों से प्रेम के कारण। उन्होंने पक्षियों की विभिन्न प्रजातियों और गतिविधियों का अध्ययन किया तथा उनके बारे में जानकारी प्राप्त की।
- (स) सालिम अली की तुलना डी एच लॉरेंस से की गई है। दोनों की रुचि पक्षियों के विषय में अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त करना थी।
- (ब) सालिम अली ने प्रकृति का अध्ययन एक सीमित क्षेत्र में नहीं किया। वे घूम-घूम कर लगातार पक्षियों के संबंध में नई नई खोज करते रहे।
- (द) फॉल ऑफ ए स्पैरो।
- (ब) सालिम अली की तुलना पक्षी से की है। जैसे पक्षी के मर जाने के बाद उसे जीवित नहीं किया जा सकता उसी तरह सालिम अली की मृत्यु के बाद कोई अन्य व्यक्ति अपने शरीर की गर्मी और दिल की धड़कन भी देकर उन्हें जीवित नहीं रह सकता था।
- (अ) डी. एच. लॉरेंस प्रकृति प्रेमी और एक उपन्यासकार थे।
- (द) प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह से।
- (स) जटिल प्राणियों के लिए सालिम अली हमेशा एक पहली बने रहेंगे।
- रिक्त स्थान :** डायरी
- रिक्त स्थान :** एयरगन से
- सत्य / असत्य :** असत्य
- सत्य / असत्य :** असत्य
- घने पेड़ों की छाँह में।
- पक्षियों की खोज में निकले हैं।
- 'साँवले सपनों की याद' पाठ हमें सिखाता है कि हमें पशु-पक्षियों से प्रेम करना चाहिए। साथ ही पर्यावरण की सुरक्षा करनी चाहिए।
प्रकृति को प्रदूषण से बचाना चाहिए और उनका असीमित दोहन नहीं करना चाहिए। पाठ प्रकृति को हरा-भरा तथा समृद्ध बनाए रखकर प्रकृति से निकटता बनाने की भी सीख देता है।
- यमुना नदी का साँवला पानी याद दिलाता है कि यहीं बालक कृष्ण ने कालिया मर्दन किया था। कदम्ब के पेड़ के नीचे वे अपने ग्वाल मित्रों के साथ खेलते थे और बगीचों में गोपियों के साथ रास रचाया करते थे। ऐसा प्रतीत होता है कि कृष्ण अभी मधुर स्वर में मुरली बजाते हुए अचानक प्रकट हो जाएँगे।
- सालिम अली अनूठे पक्षी प्रेमी थे। लेखक ने उनकी तुलना एक ऐसे पक्षी से की है जिसने अपने जीवन की लम्बी यात्रा को समाप्त कर दिया है और स्वयं मौत की गोद में सो गया है। इस पक्षी (सालिम) की नींद इतनी गहरी है कि दूसरों के शरीर की गर्मी और दिल की धड़कन देकर भी उसे जीवित नहीं किया जा सकता है। उनका पक्षी प्रेम का सपना मौलिक नहीं था वह तो उनका वह सपना था जिसे पूरा करने के लिए उन्होंने जीवन भर प्रयास किया। इस पक्षी को किसी की धड़कनों से ज़िंदा नहीं किया जा सकता। अर्थात् उनके सामने कोई अन्य पक्षी प्रेमी इस तरह पुनः नहीं लाया जा सकता है।
- सालिम अली एक प्रसिद्ध पक्षी-विज्ञानी थे। पक्षियों के साथ-साथ वे प्रकृति प्रेमी भी थे। वे पक्षियों के बारे में नवीन जानकारी एकत्रित करते रहते थे। इसके साथ ही वे पर्यावरण की सुरक्षा के लिए भी चिंतित रहते थे। वे अपने कंधों पर सैलानियों-सा बोझ लटकाए, गले में दूरबीन टाँगे पक्षियों की खोज में दूर-दराज के क्षेत्रों में निकल जाया करते थे। पक्षियों की खोज में दुर्गम स्थानों पर घंटों बैठना उनकी आदत थी। पर्यावरण के प्रति चिंतित होने के कारण वे तत्कालीन प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह से भी मुलाकात कर चुके थे। वे प्रकृति की दुनिया में अथाह सागर बनकर उभरे थे।
- लेखक सालिम अली के स्वभाव से भली-भांति परिचित थे। वे रोज नियम से गले में दूरबीन लटकाएँ तथा कंधे पर बोझ टाँगे पक्षियों के विषय में जानकारी प्राप्त करने निकलते थे। कुछ समय पश्चात वे उनके बारे में दुर्लभ जानकारी एकत्रित कर लौट आते थे। आज उनकी मृत्यु के बाद भी लेखक को ऐसा ही लग रहा है कि आज भी सालिम अली हमेशा की तरह इस अंतहीन सफ़र से लौट आएँगे इसलिए लेखक ने ऐसा कहा है, "सालिम अली, तुम लौटोगे ना !"